Best practices (2023-24)

1.Cultural festival

A cultural festival named as “Haripur Jaach” is a regular feature of the college. It is a platform to bring togather the college with community. A number of women clubs (Mahila Mandal) participates in cultural fest and exhibitied the culture throgh various activities, viz exhibition, sports, installing food stalls etc. In the current academic session the above festival was organized in the month of December 2023.

Broad Objective

To familiarize young generation with the Tradition art culture and lifestyle of the region

The following activites were included in the above festival.

i) Food stall (traditional food and beverages) by various mahila mandals.

ii) Exhibition of Antique artifacts

iii) Traditional Sports

iv) Cultural Showcase (Nati in Traditional attires/costumes)

2. Environmental education and Practice

The college is actively engaged in Environmental protection, conservation and afforestation related activities. Various clubs and societies of the college organise a number of camps, round the year to educate people and to plant the trees. Help and assistance of the forest department is actively sought in the process.

Broad Objective

i)To sensitize the students about environmental issues and engage them in field activities.

ii)To inculcate a sense of responsibility among the students, to protect and preserve the environment.

iii)To introduce the students about local flora and fauna.

हरिपुर कॉलेज में लुप्तप्राय वस्तुओं की लगाई प्रदर्शनी

संस्कृति संरक्षण के लिए हरिपुर जाच-2023 का शुभारंभ, पारंपरिक व्यंजनों के भी लगाए स्टॉल

संवाद न्यूज एजेंसी

हरिपुर कॉलेज में सांस्कृतिक मेले के दौरान नाटी प्रस्तुत करतीं महिलाएं। -संवाद

कुल्लू/हरिपुर। जवाहर लाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय हरिपुर (मनाली) में हरिपुर जाच-2023 (मेला) का आयोजन किया जा रहा है। इसमें पारंपरिक लुप्तप्राय वस्तुओं की प्रदर्शनी के अलावा लोक साहित्य की विविध विधाओं का संकलन, पारंपरिक गीतों और नृत्यों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र बनीं रहीं।

महाविद्यालय में आयोजित हरिपुर जाच-2023 में हिमाचल प्रदेश उच्च शिक्षा संयुक्त निदेशक डॉ. नंद लाल शर्मा मुख्यातिथि रहे, जबकि पूर्व प्राचार्य गंगापाल महंत ने विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की। पहले दिन जाच का शुभारंभ कुल्लू की समृद्ध संस्कृति लालड़ी नृत्य से हुआ। हरिपुर जाच-2023 के पहले दिन शुक्रवार को पारंपरिक लुप्तप्राय वस्तुएं की प्रदर्शनी, पारंपरिक वस्तुओं और क्षेत्रीय वनस्पति, वास्तु और सांस्कृतिक तत्वों पर फोटो प्रदर्शनी, पारंपरिक खेलों और पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए थे। इनमें महिला मंडलों और स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा रसोई में उपयोग होने वाले मिट्टी के बर्तन, पत्थर की चक्की, हथकरघा से जुड़े उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई।

वहीं, पारंपरिक कुल्लवी व्यंजन सिड्डू और मक्की की रोटी आदि भी आकर्षण का केंद्र रहे। हिमाचल प्रदेश उच्च शिक्षा संयुक्त निदेशक डॉ. नंद लाल शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को संस्कृति का ज्ञान देना आवश्यक है, तभी संस्कृति का संरक्षण हो सकेगा।